

[श्री संयद सिन्हे रणौ]

हिन्दुस्तान को बचा सकेंगे, मुल्क की जम्हूरियत को बचा सकेंगे, लोकतंत्र को बचा सकेंगे ।

ALLOCATION OF TIME FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT LEGISLATIVE BUSINESS

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA). Before I call the next speaker, I have to make an announcement.

I have to inform Members that the Business Advisory Committee, at its meeting held today, the 3rd January 1991, allotted time for Government legislative business as follows —

Business	Time Allotted
1 Consideration and passing of the following Bill after these are passed by the Lok Sabha	
(a) The public Liability Insurance Bill, 1990	1 hr
(b) Tanjore Manufactures Development Council (Amendment) Bill, 1990	2 hrs

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—COMMUNAL SITUATION IN THE COUNTRY—(contd)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Yes, Mr. Rafique Alam.

श्री रफीक आलम (बिहार) : उप-सभाध्यक्ष जी, मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता क्योंकि मैं बहुत दुखी हूँ। आख जो कुछ देखती हैं, सब पर आ सकता

नहीं। खून, कत्ल, गारतगिरी के वाक्यात जो हुये हैं पूरे हिन्दुस्तान के ज्यादातर हिस्से में, वह इन्तहाई शर्मनाक हैं और यही नहीं, मारने वाला कोई दूसरी क़द्दी का नहीं— मारने वाले भी हिन्दुस्तानी, मारे जाने वाले भी हिन्दुस्तानी और करोड़ों की जायदाद का नुकसान जो हुआ, क्या यह पाकिस्तान का नुकसान हुआ या चीन का नुकसान हुआ ? यह तो आखिर भारत का ही नुकसान हुआ ।

आजादी के 43 साल के बाद हमारे हिन्दुस्तानी अपने को हिन्दुस्तानी नहीं समझे, तो इससे बढ़ कर शर्म की बात कुछ हो नहीं सकती। मुझे इस बात का दुख है कि जितने फिर्दौस विराना फिसाद अब तक हुये एक मुहज्जब मुल्क हिन्दुस्तान में, किसी को आज तक सजा नहीं हुई। अगर सजा होती, तो यह वाक्यात नहीं होते ।

आप जानते हैं कि ऐसे मामले में क्रिमिनलज ज है, जिसका कोई धर्म नहीं—न वह मुसलमान है, न हिंदू, न सिख और न ईसाई है, इनका एक ही काम रहता है लूटना। इन लोगों को यह काम मिल जाता है जब ला एण्ड आर्डर खराब होता है और यह लूटते हैं और जलाते हैं ।

अब इस तरह से मासूम बच्चों का कत्ल करना, औरतों को जिंदा जला देना यह इन्तहाई शर्मनाक है कि आजाद हिन्दुस्तान में इस तरह के वाक्यात हो रहे हैं। पता नहीं बाहर के लोग क्या समझेंगे। अभी हमारे हाशमी साहब ने कहा भी कि वह अमरीका में गये थे—हालांकि जगन्नाथ आजाद जी बहुत बड़े शायर हैं, उन्होंने कहा कि हमें शर्म महसूस हुई जब वहा के लोगो ने कहा पता नहीं सियासी ताकत को हासिल करने के लिए मजहब और धर्म को अगर हथियार बनाया जाए, तो इससे बढ़ कर मुल्क के लिए कोई शर्मादंगी नहीं हो सकती। मेरे पास अलफाज नहीं हैं कि मैं बताऊँ कि आखिर इस मुल्क को क्या हो गया है। ठीक हैं वोटर्स वो देंगे। आप अपने मेनिफेस्टो दीजिए, लेकिन वोटर्स को खत्म करके, तब आप चाहते हैं

वोट लेना। यह कहाँ का इंसफ है और यह प्युर्ली नसलकुशी है, जैनीसाईड है।

इसलिए मैं साहब जी से कहना चाहूँगा कि आप कृपया परवाह कीजिए कि आपकी हुकूमत कितने दिनों के लिये है। आप जब तक इस कुर्सी पर हैं, इसकी सहायता की निभाइये। तो इस कुर्सी पर सरदार बल्लभभाई पटेल बैठे थे, गोविन्द बल्लभ पन्त जी बैठे थे। यह कोई मामूली कुर्सी नहीं है कि साहब मारे जाते हैं लोग और कोई एडमिनिस्ट्रेशन नहीं। अलीगढ़ के बारे में मुझे बहुत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है, मैंने आपको भी टेलीफोन किया था कि वहाँ हिन्दु-मुसलमान कम, पी०ए०सी० और भारतीय मुस्लिम का हो और यही नहीं जबकि मौजूदा एस० एस पी० ने, जो अभी मौजूदा एस एस० पी० है जब उन्होंने रोका पी० ए० सी० को तो पी० ए० सी० वाले क्या कहते हैं, यह 'टाइम्स आफ इंडिया' की बात हम कह रहे हैं :

"The SSP is pro-Muslim. So he has ordered not to fire on them."

अगर हमारे एडमिनिस्ट्रेशन में, खवाह हमारे मजिस्ट्रेट हों या हमारी पुलिस हो या हमारी फौज हो, अगर प्रो हिन्दु या प्रो मुस्लिम होगा तो यह मुल्क कहा जाएगा ? इसलिए मैंने कहा कि आपने जो स्टेटमेंट दिया राची में बहुत ही अच्छा स्टेटमेंट दिया, एटी रायट्स फोर्स जरूर बनाइये और उसमें कंपोजिट फोर्स हो। उसमें हिन्दु भाई भी हों, मुसलमान भाई भी हों, सिख भाई भी हों, ईसाई भाई भी हों, पारसी भाई भी हों ताकि आपस में उन लोगों का इस्तेफाक तो हो, यह तो नहीं कि साहब यह मुसलमान है इसलिए इसकी गोली मार दी जाए। और आपसे मेरा निवेदन है कि आप जुडीशियल इन्क्वायरी करवाइये जितने दगे हुए हैं और खवा उसमें लीडर्स हों, मजिस्ट्रेट्स हों या पुलिस हो, जो भी हो। क्रिमिनल एक्ट क्या है, किसी का मर्डर करना यह क्रिमिनल एक्ट है दफा 302 आई पी सी के तहत उसका यह ट्रायल होना चाहिए और ऐसे लोगों को सजा दीजिए

कोई वजह नहीं है कि हम एम० पी० हैं इसलिए हम कुछ भी बोल सकते हैं, हम कुछ भी दंगा-फसाद करा सकते हैं। आपको सुनकर ताज्जुब होगा उपसभाध्यक्ष जी,

* * *

इन लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। अभी हमारे बी०जे०पी० के नेता लोग कह रहे थे, खुद बी०जे०पी० का एम०एल०ए० अलीगढ़ में, उन्होंने मोब लीड किया और यही नहीं आगरा का एम०एल०ए० बी०जे०पी० का, यह हरद्वार दुबे उन्होंने लीड किया, लेकिन कोई एक्शन नहीं। एम एल ए० या एम० पी० अगर हम हैं तो हम कानून से तो ऊपर नहीं हैं। यहाँ हिन्दुस्तान में कानून का राज है, एम०एल०ए० या एम०पी० का राज नहीं है। इसलिए ऐसे लोग जो जजबाती तक्कीर करके लोगों को भड़काएं उनके खिलाफ आप एक्शन लीजिए। यही नहीं बल्कि मैं नेशनल प्रेस को दिली मुबारकबाद देता हूँ, उन्होंने सैकुलरिज्म और जम्हूरियत की लाज रखी। लेकिन उसके बरअकस वह 'अमर उजाला' को देखिए, हिन्दी पेपर मैं आप लीजिए 'जन जागरण' को और दूसरे हिन्दी अखबारों में, उन्होंने इतनी जहर अफसानी की कि जहा फसाद नहीं होना था वहाँ फसाद कराया, लेकिन किसी अखबार को बद नहीं किया गया, न उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही की गई और टी०वी० को टी०वी० तो अभी गवर्नमेंट के अडर में है, 13 तारीख को टी०वी० पर मैंने अपने कानों से सुना कि अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने दो पी० ए० सी० के कांस्टेबल को स्टेप किया। मैंने उसी वक्त वो सी० से टेलीफोन पर बात की। वो सी० ने कहा कि बिल्कुल सरासर गलत बात है। डी०एम० ने भी उसकी तरदीद की कि ऐसा कोई बाकया हुआ नहीं है, लेकिन हमारे टी०वी० ने कह दिया और उसका नतीजा यह हुआ कि कानपुर में रायट हो गया, आगरा में रायट हो गया। टी०वी० भी वही काम कर रहा है जो पी० ए० सी० कर रही है। तो इससे खतरनाक और कोई बात नहीं हो सकती है। इसलिए आप अपने मीडिया को भी कंट्रोल कीजिए

*Expunged as ordered by the Chair.

[श्री रफीक आनम]

कि इस तरह की गलत बातें यह न करे और इस तरह से लोगो को नहीं भड़काये। यह आजाद मुल्क है। इसमें सब को रहने का हक है। चाहे हिन्दू भाई हो, मुसलमान भाई हो, सिख भाई हो, ईसा भाई हो, सभी को बराबर का हक है और उनकी जान-माल की हिफाजत करना हुकूमत का काम है। आज हुकूमत से क्यो विश्वास खत्म हो रहा है, क्यो एतबार खत्म हो रहा है? पुलिस मार रही है।

उपसभा यल (डा. नगेन साँकिया) :
प्लीज कन्क्लूड।

श्री रफीक आनम : एक तो आपने आखिर मे टाइम दिया, अब दो मिनट और दीजिये।

THE VICE-CHAIRMAN DR NAGEN SAIKIA: Please conclude. You already taken much time.

श्री रफीक आनम . जो हमारी आजादी के मतवालो ने गीत गाया था—“सारे जहा से अच्छा हिंदोस्ता हमारा, हम बुलबुले है इसकी, ये गुलिस्ता हमारा। मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दोस्ता हमारा।” आज इस तरह की गीतों का महत्व हमारे लिये और भी बढ़ जाता है। इनके कैसेट्स हो जिससे लोगो का आपस में प्रेम हो। हिन्दू धर्म कहा सिखाता है कि दूसरो से नफरत करें, जो भारतीय जनता पार्टी आज फैला रही है, नफरत का व्यापार कर रही है। वह तो कहता है कि चीटी को मारना भी पाप है। जीव हत्या मना है। वह हिन्दू धर्म प्रेम और अहिंसा का सबक सिखाता है, लोगो को मरने का नहीं। सिखो या मुसलमानों को मारना पुण्य है, यह नहीं कहता हिन्दू धर्म। जब चीटी को मारना पाप है तो मुसलमान या सिखों को मारना कहां का पुण्य है? इसलिये मैं कहना चाहता हू कि ऐसे लोग जो मजहब या धर्म के नाम पर नफरत फैला रहे हैं, इनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिये। वोट देने वाले लोग तो वोट देंगे, लेकिन हुकूमत को चाहिये कि कौन

भैरा वोटर है या नहीं है, इस पर ध्यान न दे। आपके लिये सब वोटर हैं और सब आपके है। इसलिये जो भी कानून तोड़े, चाहे मैं ही क्यों न हूँ या चाहे दूसरा हो, उसको आप सजा दीजिये ताकि लोग कानून के तहत रहे, कानून को अपने हाथ में न लें।

† [شری رفیق عالم (بہار): اپنے

ادھکیتیں
جانتا ہے
ہے

گری
بدوشتار
شرنا

دوسری کنٹرول
ہندوستانی

اور کروڑوں کی جانوں کی
پاکستان کا اقتصاد

ہوا۔ یہ تو آخر عبادت کا ہی نقصان ہوا
آزادی کے ۲۲ سال کے بعد ہمارے

لوٹ لینے کو محمد حسن کے
اس

کوئی
فرقہ وارانہ مصداق

مہذب ملک ہند
تک سر اٹھیں ہوئی گھر سرا ہوئی تو

واقعات ہیں سچے۔

[] Transliteration in Arabic Script.

آپ مانتے ہیں کہ ایسے معاملے میں گرفتار
جوس۔ جس کا کوئی دھرم نہیں نہ وہ
ہندو ہے نامسلمان۔ نہ سکھ اور عیسائی
ہے۔ ان کا ایک ہی کام رہتا ہے لوٹنا۔
ان لوگوں کو یہ کام مل جاتا ہے۔ جب
لا اینڈ آؤر خراب ہوتا ہے۔ اور یہ
لوٹتے ہیں اور جلاتے ہیں۔

اب اس طرح سے معصوم بچوں کا
قتل کرنا۔ عورتوں کو زندہ جلا دینا یہ
استہائی شرمناک ہے کہ آزاد ہندوستان
میں اس طرح کے واقعات ہو رہے ہیں
پتہ میں ماہر کے گوب کیا سمجھیں گے۔ اچھی
ہمارے ہاشمی صاحب نے کہا کہ وہ امرتسر
گئے تھے۔ حالانکہ جلدی تھا آزاد جی بہت
بڑے شاعر ہیں۔ انہوں نے کہا کہ ہمیں
شرم محسوس ہوئی جب دہلی کے لوگوں
نے کہا پتہ میں سیاسی طاقت کو حاصل
کرنے کیلئے مذہب اور دھرم کو اگر بٹا دیا
بنایا جائے تو اس سے بڑھ کر اس ملک
کیلئے کوئی شرمندگی نہیں ہو سکتی۔ میرے
پاس العاط ہیں ہیں کہ میں بتاؤں کہ
آخر اس ملک کو کیا ہو گیا ہے۔
ٹھیک ہے وڈر س ووٹ دینے آپ
اپنے بیٹی مسٹر میں دیکھئے۔ لیکن دوسرے
کو جتم کر کے تب آپ چاہتے ہیں دیکھ

نہیں۔ یہ کہاں کا انصاف ہے اور یہ جوہری
نسل کشی ہے۔ غنیو ساڈس ہے۔

اس لئے میں سہائے جی سے کہنا چاہوں گا
کہ آپ یہ صحت پر وہ کیجئے کہ آپ کی حکومت
کتنے دلفز کیلئے ہے۔ آپ جب تک لڑیں
پہر ہیں اسکی مرید ادا نہجائے۔ تو اس لڑیں
پر مسر دار ولجھ معانی ٹیٹل بیٹھے تھے۔ گوہد
ولجھ پنت جی بیٹھے تھے۔ یہ کوئی معمولی لڑیں
ہیں ہے کہ لوگ مارے جاتے ہیں اور
کوئی ایڈمنسٹریشن نہیں۔ علیگڑھ کے بارے
میں مجھے بہت ہی افسوس کے ساتھ
کہنا پڑتا ہے۔ میں نے آپ کو ہی ٹیلیفون
کیا تھا کہ وہاں ہندو مسلمان کم۔ پی۔ پی۔
سی اور معارفہ مسلم کے درمیان ٹکراؤ
ہے۔ اور یہ نہیں موجودہ ایس۔ ایس۔ پی
نے جو اچھی موجودہ ایس۔ ایس۔ پی ہیں
جب انہوں نے روکائی لے سی کو تو
پی لے سی والے کیا کہتے ہیں یہ ٹامعش
نے انڈیا کی مات ہم کہہ رہے ہیں۔

"The SSP is Pro-Muslim. So he has
ordered not to fine on them."

پرو مسلم اور پرو ہندو اگر یہ سمجھ ہمارے
ایڈمنسٹریشن میں حواہ ہمارے پیمبر ٹیٹ
جلی یا ہماری پولیس یا ہماری فوج ہو اگر
پرو ہندو یا پرو مسلم ہوگا۔ تو یہ ملک کہا جائے
گیا۔ اسلئے میں نے کہا کہ آپ لے حواہ ٹیٹ

دیا راجی میں بہت ہی اچھا اسٹیٹمنٹ دیا۔ اینٹی رائٹس فورس ضرور بنائیے اور اس میں کمپوزٹ فورس بنو۔ اسمیں ہندو بھائی بھی بنو۔ مسلمان بھائی بھی بنو۔ یہ کہہ بھائی بھی بنو۔ عیسائی بھائی بھی بنو۔ یار سی بھائی بھی بنو تاکہ آپس میں اس لوگوں کا اتفاق ہو۔ یہ تو میں کہ صاحب یہ مسلمان ہے اسلئے اسکو گولی مار دی جائے۔ اور آپ سے سیراویڈن ہے۔ کہ آپ جیوڈیشیل انکوائری کر لیں جتنے دنگے ہوئے ہیں اور خواہ اسمیں لیدر ہوں۔ میجسٹریٹس ہوں یا پولیس ہو۔ جو مہی ہوں۔ کمرنل ایلٹ کیا ہے۔ کسی کو مرڈر کرنا یہ کمرنل ایلٹ ہے۔ دفعہ ۳۵۲ آئی۔ پی۔ سی کے تحت اسکا یہ ٹرائل ہونا چاہئے۔ اور ایسے لوگوں کو سنرا دیکھئے۔ کوئی وجہ نہیں ہے کہ ہم ایم۔ پی ہیں اسلئے ہم کچھ بھی لول سکتے ہیں۔ ہم کچھ بھی دلکا مناد کر سکتے ہیں۔ آپ کو سن کر تعجب ہوگا آپ سمجھا دھکیلی جی۔ پی۔ پی۔ پی۔

اس لوگوں کے خلاف کوئی ایکشن نہیں لیا جارہا ہے۔ اسی ہمارے لی۔ جے۔ پی کے تباہ لوگ کہہ رہے تھے۔ خود ہی۔ جے۔ پی کا ایم۔ ایل۔ اے۔ علیگڑھ میں۔ انہوں

نے نائب کو لڈ کیا۔ اور یہی نہیں آگرہ کا ایم۔ ایل۔ اے۔ لی۔ جے۔ پی کا یہ ہر دور دھبے انہوں نے لڈ کیا۔ لیکن کوئی ایکشن نہیں لیا گیا۔ ایم۔ ایل۔ اے۔ یا ایم۔ پی۔ آگرہ میں تو ہم قانون سے اوپر ہیں ہیں۔ یہاں ہندوستان میں قانون کا راج ہے۔ ایم۔ ایل۔ اے۔ یا ایم۔ پی کا راج نہیں ہے اسلئے ایسے لوگ جو بدلتی تقریریں کر کے لوگوں کو بھڑکائیں انہے خلاف آپ ایکشن لیتے۔ یہی ہیں بلکہ میں نیشنل پریس کو دلی مبارکباد دیتا ہوں۔ انہوں نے سیکولرزم اور جمہوریت کی دلچ رکھی۔ کلیں اس کے برعکس "امبر اجالہ" کو دیکھئے ہندی پیر میں آپ دیکھ لیتے۔ "جن حاکم" کو اور دوسرے ہندی اخبارات نے اتنی زیر افشانی کی جہاں مساد میں ہونا تھا وہاں مساد کر آیا۔ لیکن کسی اخبار کو بند نہیں کیا گیا۔ نہ اتنے خلاف کوئی قانونی چارہوائی کی گئی اور ٹی۔ وی کو ٹی۔ وی۔ تو ابھی گورنمنٹ کے انڈرس نے ۱۳ تاریخ کو ٹی۔ وی پر میں نے اپنے مجازوں سے سنا کہ علیگڑھ میں مسلم یونیورسٹی کے اسٹوڈنٹ نے دو بی۔ اے۔ می۔ سے کانسلٹبل کو اسٹیک کیا۔ میں

نے اسی وقت دی سی۔ ٹیلیفون پر بات کی۔ دی سی۔ نے کہا کہ بالکل سراسر غلط بات ہے۔ ڈی۔ ایم نے بھی اسکی تردید کی۔ کہ ایسا کوئی واقعہ نہیں ہوا لیکن ہمارے ٹی۔ وی۔ نے کہہ دیا۔ اور اسکا نتیجہ یہ ہوا کہ کانپور میں رائٹ ہو گیا۔ اگر وہ میں رائٹ ہو گیا۔ ٹی۔ وی۔ بھی وہی کام کر رہا ہے۔ جو پی۔ اے۔ سی۔ کر رہی ہے۔ تو اس سے خطرناک اور کوئی بات نہیں ہو سکتی ہے۔ اسلئے آپ اپنے میڈیا کو بھی کنٹرول کیجئے کہ اس طرح کی غلط باتیں یہ نہ کرے اور اس طرح سے لوگوں کو نہیں بڑھکائے۔ یہ آزاد ملک ہے۔ اس میں سب کو رہنے کا حق ہے۔ چاہے ہندو بھائی ہو۔ مسلمان بھائی ہو۔ سکھ بھائی ہوں۔ عیسائی بھائی ہوں۔ سبھی کو برابر کا حق ہے اور انکی جان و مال کی حفاظت کرنا حکومت کا کام ہے۔ آج حکومت سے کیوں دشوار ختم ہو رہی ہے۔ کیوں اعتماد ختم ہو رہی ہے۔ پولیس مار رہی ہے۔ آپ سبھا ادھیشٹن (ڈاکٹر سنگھ سیکریا): پلینزنگنگوڈ۔

شری رفیق عالم: ایک تو آپ نے ٹائم کم آف میں ٹائم دیا ہے اب ووٹ اور دیکھئے۔

THE VICE CHAIRMAN (DR. NAGESH SAIKIA): Please conclude. You already have taken mucr time..

شری رفیق عالم: جو ہماری آزادی کے متوالے نے گیت گایا تھا۔ "سارے جہاں سے اچھا ہندوستان ہمارا"

ہم بلبلیں ہیں اسکی یہ گلشن ہمارا"

مذہب نہیں سکھاتا آپس میں بھیر رکھا۔

ہندی ہیں ہم وطن ہے ہندوستان ہمارا"

آج اس طرح کے گیتوں کا مہو ہمارے لئے اور بھی بڑھ جاتا ہے۔ ان کے کیسٹ ہوں جس سے لوگوں کا آپس میں پریم ہو۔

ہندو دھرم کہاں سکھاتا ہے کہ دوسروں سے نفرت کرو۔ جو بھارتیہ جنتا پارٹی۔

آج بھلایہ رہی ہے۔ نفرت کا دیا پارکری ہے۔ وہ تو کہتا ہے جیونی کو مارنا بھی

پاب ہے۔ جو ہتیا ہے۔ وہ ہندو دھرم پریم اور انہما کا سبق سکھاتا ہے۔

لوگوں کو مارنے کا جنی۔ سکھوں یا مسلمان کو مارنا پندی ہے یہ نہیں کہتا ہندو دھرم

جب جیونی کو مارنا پاب ہے تو مسلمان یا سکھ کو مارنا کہاں کا پندی ہے۔ اس لئے

میں کہنا چاہتا ہوں کہ ایسے لوگ جو مذہب

یاد صدمہ کئے نام پر نفرت پھیل رہی ہے
 ہیں۔ آئے ساتھ سختی سے بٹا جا چلا ہے
 ووٹ دیے والے کوٹ تو ووٹ دیتے۔
 لیکن حکومت کو جانیئے کہ کون میرا ووٹر
 ہے کون میرا ووٹر ہے۔ اس پر دھیان
 نہ دے۔ آئیے لئے سب ووٹر ہیں اور
 سب آئیے ہیں۔ اس لئے جو بھی قانون توڑے
 جاپے میں ہی کیوں نہ ہوں۔ جاپے دوسرا
 ہو۔ اسکو آپ سزا دیجئے۔ تاکہ لوگ
 قانون کے تحت ہیں۔ قانون کو اپنے ہاتھ
 میں نہ لیں۔]

SHRI JAGESH DESAI: I would like to point out one thing. He said that two were stabbed and that news was on the TV. If it is so, then from which source they got the information? Has any enquiry been made about it? Any action has been taken about the persons responsible? It has to be done.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): I think, the Minister will take note of it.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): We will.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Now Kumari Alia. Please complete within two minutes.

कुमारी आलिया : सर, मेरा ताल्लुक फैजाबाद से है। यह समय मेरे लिये बहुत कम है। आनरेबल वाइस चैयरमैन सर, बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि इश्यू ने पूरे हिन्दुस्तान में दंगे का रूप ले लिया है और इस दंगे की जिम्मेदारी * जिन्होंने हिन्दुस्तान के सेकुलरिज्म को तोड़ दिया है, हिन्दुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीब को तोड़ दिया है, हिन्दुस्तान के हिन्दू-मुस्लिम भाइयों के दिल को तोड़ दिया है और नफरत की एक आग फैला दी है ऐसी राजनीतिक पार्टी को वाइस चैयरमैन साहब सबसे पहले बैन किया जाय जो हिन्दुस्तान को तोड़ने में लगी हुई है, जो हिन्दुस्तान के हिन्दू-मुस्लिम भाइयों को लडाकर इस देश में खून-खराबा करवा रही है और हिन्दुस्तान के मुसलमानों को, जो अकलियत के लोग हैं, उनके ऊपर जुल्म कर रही हैं। बच्चों को मार रही हैं, जला रही हैं और हमारे हिन्दुस्तान की तमाम प्रापर्टी को नुकसान पहुंचा रही हैं। हमारा आपसे निवेदन है कि ऐसी पार्टी को तुरन्त बैन किया जाए जोकि हमारे सविधान के खिलाफ है, जो हमारे देश को तोड़ सकती है, बर्बाद कर सकती है। उनके नारों के ऊपर बैन लगाया जाय क्योंकि वे इस तरह के नारे लगाते हैं—“मुसलमानों तुम्हारे लिये कब्रिस्तान या पाकिस्तान।” मैं जानना चाहती हूं कि 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो क्या उसके आईन में यह लिखा गया है कि हिन्दुस्तान में रहने वाला हिन्दुस्तानी नहीं है और उसके लिये कब्रिस्तान बनाया जायेगा? इस तरह की जजबाती स्पीच होनी है।

*Expunged as ordered by the Chair.

हमें बड़ा अफसोस है कि हमारे बीच
* हमारे राम जैसे महापुरुष को जिन्होंने
अयोध्या में जन्म लिया, उनके नाम को
बदनाम करने के लिए * * * ।

जहाँ रहीम राम जैसे महात्मा पैदा हुए
हैं वहाँ बी.जे.पी. नाम की कोई चीज नहीं
है। हमारे जिले में 10 सीट्स हैं, लेकिन
वहाँ बी.जे.पी. की एक भी सीट नहीं
है। न ही पार्लियामेंट में कोई सीट है और
हम लोगों ने यह तय कर रखा है, कि
भारतीय जनता पार्टी के लोग समझ लें कि
हमारी अयोध्या में राम का मंदिर जरूर
बनकर रहेगा। बाहर के लोग कतई नहीं
आएंगे। वहाँ पर हिंदु-मुसलमान भाई
एक हैं। बाहर की ताकतों को वहाँ आने
से रोका जाए। बाहर की ताकतें वहाँ
न जाएं। इस तरह के नारे न लगाए
जाएँ और राम के नाम को कलंकित
न करें।

7 P.M.

मुझे अफसोस है कि अलीगढ़ में जो
बाकयात हो रहे हैं जिससे कि तमाम जगह
पर इसकी चर्चा की जा रही है कि
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लड़के जो
15 हजार की तादाद में हैं, वह हिंदू भाइयों
के ऊपर हमले करते हैं। वे हिंदू भाइयों
के ऊपर हमला करते हैं, यह गलत रयूमर
है। इसकी जिम्मेदारी भी * जिन्होंने तमाम
मुसलमानों को मार डाला, कत्ल कर
दिया और तबाह और बर्बाद कर दिया
और अब देश को तबाह और बर्बाद करने
पर लगे हैं। लेकिन वे यह जान लें कि
हिन्दुस्तान का 15-20 करोड़ मुसलमान
इस मुल्क को तोड़ने नहीं देगा और वह
गद्दारी का जो नारा लगा रहे हैं, उसे
उन्हें बन्द करना होगा। हिन्दुस्तान का
मुसलमान गद्दार नहीं है। जब भी इस
देश के ऊपर कोई मुसीबत आई है उसके
जिम्मेदार हमारे वे हिंदू भाई हैं जो
हिन्दू राष्ट्र का नारा लगाते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान
फैजाबाद की तरफ ले जाना चाहती हूँ।
यह मामला जल्दी, आपसी सद्भाव और
तालमेल से तय हो जाना चाहिए या कोई

*Expunged as ordered by the Chair.

ऐसा तरीका निकाला जाए जिससे राम के
नाम की कलंकित न किया जाए। अभी-
अभी मैं 23 तारीख को फैजाबाद जा
रही थी तो वहाँ कार-सेवकों ने मुझे घेर
लिया और कहा कि आप लोगों ने बहुत
दिनों तक गरीबी हटाओ का नारा लगाया,
अब राम लालों का नारा लगाना है।
हम तो राम लालों का नारा लगाने में
बड़ा फल महसूस करते हैं इसलिए कि
राम जैसे महापुरुष का नाम हम लोग बड़े
आदर से लेते हैं। पर राम के नाम का
यह नहीं मतलब है कि आप कत्ल करें,
राम के नाम पर आप देश को तबाह
और बर्बाद करें और राम के नाम पर
आप दुबारा इस मुल्क को तोड़ दें, जैसा
कि पंजाब और कश्मीर में आपके सामने
हो रहा है। चूंकि आपने समय बहुत कम
दिया, मैं कहना तो बहुत कुछ चाहती हूँ।

12 तारीख को फैजाबाद में भारतीय जनता
पार्टी के लोगों ने एक दूसरी मस्जिद को
तोड़ा। क्योंकि हमारे आनरेबल मिनिस्टर
सुबोध कान्त सहाय जी वहाँ पर मौजूद
हैं, मस्जिद को तोड़ा तो हमने उसको
इन्फारमेशन एंड मिनिस्ट्रेशन को दी, मस्जिद
टूटने के बाद उन्होंने कहा कि वहाँ पर जो
मस्जिद तोड़ी गई है, वह आदमी का
पागलपन है। मैं आपके माध्यम से चाहती
हूँ कि इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए
और जिन लोगों ने मस्जिद को तोड़ा है
उनको तुरंत पंनिश किया जाना चाहिए।

...

THE VICE-CHAIRMAN (DR.
NAGEN SAIKIA): Please conclude
otherwise I will call the next speaker.

कुमारी आलिया : सर, एक मिनट में
अलीगढ़ की बात कहना चाहती हूँ। ...
अलीगढ़ दंगे की ज्यूडिशियल इन्क्वायरी
होनी चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR.
NAGEN SAIKIA): No, please con-
clude.

कुमारी आलिया : उसकी ज्यूडिशियल
इन्क्वायरी होनी चाहिए।

† [] Transliteration in Arabic Script.

میرا تعلق میض آباد سے ہے۔ یہ ہے میرے لئے بہت کم ہے۔

آئیں بیٹل وائس چیرمین، سر، باری مسجد رام جیم مٹھی ایشیو نے لورے۔

ہندوستان میں کنگے کاروبار لے دیا ہے۔

اور اس کنگے کی ذمہ داری ہے۔ جنہوں نے

ہندوستان کے سیکولرزم کو توڑ دیا ہے

ہندوستان کی گنگا جہنی تہذیب کو توڑ

دی ہے۔ ہندوستان کے ہندو مسلم

بھائیوں کے دل کو توڑ دیا ہے۔ اور لوگوں

کی ایک آگ پھل دی ہے۔ ایسی راج

نیک باری کو وائس چیرمین صاحب

سب سے پہلے میں کیا جائے۔ جو ہندو

کو توڑنے میں لگی ہوئی ہے۔ جو ہندو

کے ہندو مسلم بھائیوں کو لڑا کر اس

دلیش میں خون فراہم کر رہی ہے۔ اور

ہندوستان کے مسلمانوں کو۔ جو اقلیت

کے لوگ ہیں ان کے اوپر ظلم کر رہی ہے

بچوں کو مار رہی ہے۔ جلد رہی ہے۔ اور

ہمارے ہندوستان کی تمام بھابی کو

نقصان پہنچا رہی ہے۔ ہمارا سب سے

اور آب سے لڑیں ہے کہ ایسی باری

کو ترنت میں کیا جائے۔ جو کہ ہمارے

بھندو دھان کے خلاف ہے۔ جو ہمارے

لش کو توڑ سکتی ہے۔ برباد کر سکتی

ہے۔ اگلے لورے کے اوپر بین لگا دیا جائے

تو وہ اس طرح کے لورے لگائے ہیں۔

مسلمانوں تمہارے لئے قبرستان یا

پاکستان میں ماننا چاہتا ہوں کہ ۱۹۴۷

میں جب معاہدہ آزاد ہوا تو کیا اس کے

آئین میں لکھا گیا ہے کہ ہندوستان میں

رہنے والا ہندوستانی نہیں ہے اور اس

کے لئے قبرستان بنایا جائے گا۔

ٹرا انٹرویو ہے کہ ہمارے بیچ

ہمارے رام جیسے مہاپرش کو جنہوں نے

ایودھیا میں جیم بنا۔ اگلے نام کو بنام

کرنے کیلئے ہے۔ جہاں رام جیسے

مہا تپا پیدا ہوئے ہیں وہاں لی ہے۔ لی۔

نام کی کوئی چیز نہیں ہے۔ ہمارے جنم

میں ۱۰ سیٹس ہیں لیکن وہاں بی ہے۔ بی

ہے۔ نہ پارلیمنٹ میں کوئی سیٹ ہے

اور ہم لوگوں نے طے کر رکھا ہے کہ معاہدہ

جنتا باری کے لوگ سمجھ لیں کہ ہماری

ایودھیا میں رام کا مندر ضرور بنے گا

بن کر رہے گا۔ باہر کے لوگ قطعی ہیں

آئیں گے۔ وہاں ہر ہندو مسلمان بھائی ایک

ہیں۔ باہر کی طاقتوں کو وہاں لے جانے سے روکا

جائے۔ باہر کی طاقتیں وہاں نہ جائیں۔ اس

لہجے کے لورے نہ لگائے جائیں اور رام

کے نام کو کنگلٹ نہ کریں۔

مجھ امسوس ہے کہ آج علی گڑھ

میں جو واقعات ہو رہے ہیں جس سے
کہ تمام حکموں پر اس کی چرباش کی جا
رہی ہیں۔ کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے

لڑکے جو ۱۵ ہزار کی تعداد میں ہیں۔ وہ

ہندو معاشیوں کے اوپر حملے کرتے ہیں۔ یہ
غلط رویہ ہے۔ اسکی ذمہ داری بھی

جنہوں نے تمام مسلمانوں کو

مار ڈالا۔ قتل کر دیا گیا اور تباہ کرنا کہ

دیا۔ امداد دلش کو تباہ کرنا کہ

برگے ہوئے ہیں۔ کہیں وہ یہ جان لیں کہ

ہندوستان کا ہندو ۵ بیس کروڑ مسلمان

اسی ملک کو توڑنے میں دلیگا۔ اور وہ

غذاری کا حوالہ لگا رہے ہیں۔ اسے اس

مذکرنا ہوگا۔ ہندوستان کا مسلمان

غدار نہیں ہے۔ جب بھی اس دلی کے

اوپر کوئی مصیبت آئی ہے اسکی ذمہ دار

ہمارے وہ ہندو معاشی ہیں جو ہندو راشٹر

کا لفرہ لگاتے ہیں۔

اب سمجھا دھکیشن معبود

میں آپ کا دھیان منیض آباد کی طرف

لے جانا چاہتی ہوں۔ یہ معاملہ جلدی

ایسی سد مجاؤ اور تال میل سے طے

ہو جانا چاہیے۔ یا توئی ایسا طریقہ لایا جائے

میں سسر ام کے نام کو کنگلٹ نہ کریں

حالتے۔ اعلیٰ اعلیٰ میں ۱۲ تاریخ کو منیض

آباد جاری تھی تو وہاں کانفرنسوں کے

مجھے گھیر لیا۔ اور کہا کہ آپ لوگوں نے

بہت دنوں تک مذہبی شاؤ ندرہ لگایا اب

رام لڈو کا ندرہ لگانا ہے۔ ہم تو رام لڈو

کا ندرہ لگانے میں ٹرانفر محسوس کرتے ہیں

اسلئے کہ رام جیسے مہا پرش کا نام ہم

بڑے آدر سے لیتے ہیں۔ پر رام کے نام

کا یہ منی مطلب ہے کہ آپ قتل کریں

رام کے نام پر آپ دلش کو تباہ کرنا

کر دیں۔ اور رام کے نام پر دوبارہ اس

ملک کو توڑ دیں۔ جیسا کہ پنجاب اور کشمیر

میں آپ نے پہلے سے ہو چکا ہے۔ چونکہ آپ

نے مجھے بہت کم دیا ہے۔ میں کہنا تو بہت

کچھ چاہتی ہوں۔ ۱۲ تاریخ کو منیض آباد

میں مہارشیہ جنتا پارٹی کے لوگوں نے ایک

دوسری مسجد کو توڑا کیونکہ ہمارے آنرسل

منسٹر سرودھ کانت سہلے میاں پر

موجود ہیں۔ مسجد کو توڑا تو اسکا انٹاریشن

ہم نے ایڈمنسٹریشن کو دیا۔ لہذا ہونے

مسجد ٹوٹنے کے بعد کہ وہاں پر جو مسجد

نوروی گئی ہے وہ پگل بن ہے۔ میں آپ

میں آپ کے مبادہم سے
چاہتی ہوں کہ اسکی انکوائری
ہونی چاہئے۔ اور جن لوگوں
نے مسجد کو توڑا ہے انکو توہمت
پیش کیا جانا چاہئے۔]

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude otherwise I will call the next speaker

†[کماری عالیہ - سر ایک منٹ

میں عابگودہ کی بات کہنا چاہتی
ہوں علی گڑھ دنگے کی جوڈیشل
انکوائری ہونی چاہئے۔]

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) No, please conclude.

†[کماری عالیہ : اسکی جوڈیشل

انکوائری ہونی چاہئے -]

श्री मधर लाल पंधार (रजस्थान):
सांप्रदायिक स्थिति की इस चर्चा पर
राम, रहीम, गुरु नानक, महात्मा गांधी
के भारत के हर नागरिक का हाल में
हुये सांप्रदायिक दंगों के लिये विश्व के
सामने सिर झुकता है।

महोदय, कुछ पार्टियों ने राष्ट्र
हितो को ताक पर रखकर सत्ता में
आना ही एकमात्र उद्देश्य बना लिया
है और यही कारण है कि यह सांप्रदायिक
स्थिति पैदा हुई है।

महोदय, इतिहासकार जब भारत का
इतिहास लिखेंगे तो दिसम्बर, 1989
से नवम्बर, 1990 का वर्ष काले अक्षरों
में लिखेंगे और वह सदैव रक्त-रञ्जित
प्रतिष्ठित होता रहेगा। मैं समय की
कमी के कारण केवल राजस्थान, जहां
से मैं आता हूँ, उसके संबंध में ही कुछ

चर्चा करना चाहूंगा कि जहां भारत
की आजादी के पूर्व और पश्चात भी
अब तक कोई दंगा नहीं हुआ था और
न कभी कर्फ्यू का नाम सुना था, वहां
पर इस राजस्थान की भारतीय जनता
पार्टी की सरकार ने एक काला दाग
लगा दिया जोधपुर पर, जहां का कोई
भी नागरिक यह नहीं समझ पा रहा
था कि कर्फ्यू क्या होता है। औरते
बाहर निकलकर जो वहां सेना के जवान
घूमते थे उनसे पूछती थी कि आप
किस समय आगे जा रहे हो, आगे
जाओगे तो हम बाहर निकलेंगे। ऐसी
उनके दिल में इस कर्फ्यू के बारे में
बात थी, वह इस कर्फ्यू को जानती
नहीं थी। जोधपुर में प्रथम बार जान
और माल की इतनी ज्यादा हानि हुई
और वहां उन सांप्रदायिक दंगों को
भड़काने के लिये स्वयं भारतीय जनता
पार्टी के, विश्व हिन्दू परिषद के और
बजरंग दल के लोगो ने स्वयं इस प्रकार
से एक सुनियोजित ढंग से इस कार्रवाई
को, इस सांप्रदायिक दंगे को बढ़ाया।
मान्यवर, मैं आपके सामने इस्टेसिज
रख रहा हूँ कि स्कूटर में पेट्रोल भरे
हुये, पाईप साथ में रखते हुये, उस पाईप
से पेट्रोल खींच-खींच कर इस प्रकार
से आगजनी की गयी और ऐसी ही
भयंकर वहां की स्थिति पैदा हो गयी कि
उन्हें लगभग 10 दिन तो पूरा रात
और दिन का कर्फ्यू झेलना पड़ा। जिनके
पास खाने के लिये कुछ नहीं था उनके
लिये बड़ी भारी दिक्कत पैदा हो
गयी। महोदय, सांप्रदायिक सद्भाव
बनाने के लिये कांग्रेस ने उस समय
इतना काम किया और 8-10 लाख
रुपये की वहां की जनता को राहत
दी। हमारे कांग्रेस के अध्यक्ष के कारण
पूरे भारतवर्ष में शांति की सभायें
आयोजित की गयी। इसी प्रकार मेरी
भाग है कि जोधपुर के दंगों के लिये
जो कि बहुत भारी मात्रा में हुये हैं
वहां पर राजस्थान के मुख्य मंत्री लगभग
दो-ढाई माह होने जा रहे हैं स्थिति को
देखने तक नहीं आये। यह स्वयं में
उनकी गिल्टी काशिश है। भारतीय जनता
पार्टी के स्वयं बड़े लीडर जो एफ-आई-

आर में नामजद हैं उनको अभी तक

गिरफ्तार नहीं किया गया है, न उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही ही की गयी है। इसलिये उसकी न्यायिक जाच हाई कोर्ट का जज सुकरंर करके करायी जाये ताकि जनता को राहत मिल सके और भविष्य में ऐसा कोई काम न होने पाये। इसके लिये मैं इस सदन के माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा। आपने समय दिया, उसके लिये बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (DR NAGEN SAIKIA): Dr. Vijaya Mohan Reddy. Please be brief.

DR. G. VIJAYA MOHAN, REDDY: Mr Vice-Chairman, Sir, I am extremely thankful to you for giving me this opportunity

The communal violence in the country has filled us with sorrow. The occurrence of communal riots in almost all the States and the speed with which they spread has made the people worry about the future of the country's unity. The country's future has become a big question mark before every countryman.

The law and order machinery has completely failed in almost all the States. This has to be properly understood by the Home Ministry. The proposal of setting up an anti-riot force, which has been postulated, should be immediately implemented.

I want to caution the Government about the new philosophy, the new ideology, which is being propagated by people who had never taken part in the freedom movement. There is the talk of Hindutva, Hindu Rashtra, pseudo-secularism, etc. This is nothing but an attempt at creating an ideological wedge by certain forces who had never taken part in the freedom struggle. We should all counter it. In the first War of Independence in 1857, Hindus and Muslims in their tens of thousands shed their blood in their fight against the Britishers. All classes of people, all categories of people, sepoys, peasants, everybody

shed their blood. Finally, all the people united under the leadership of Bahadur Shah Zafar to fight the Britishers. Where was communalism then? Did we hear of communal riots before the advent of the British in our country? There was no communal violence then. Oudh was the centre of revolution of Northern India. In Ayodhya, Hindu and Muslim patriots were hanged by a tree and the tree was uprooted by the Britishers because that tree was being worshipped by Hindus and Muslims. The Britishers brought in the 'divide and rule' policy because as long as the Hindus and Muslims remained united, there was no chance for them to rule the country. This was their philosophy. It was this reactionary philosophy which made the people fight in 1905 to keep Bengal united. For the unity of Bengal people shed their blood. Similarly, in all the struggles connected with the freedom movement, Hindus and Muslims shed their blood. It was this reactionary philosophy propagated by the Britishers which led to the division of the country and it is the same kind of reactionary ideology today which wants to thwart the development of the country, the reactionary ideology represented by vested interests in the country. Those people have never taken part in the freedom struggle. Has RSS taken part, has Hindu Mahasabha taken part, has the Muslim League taken part? Never. They were acting for the British. This has to be understood clearly by our countrymen. We will have to defeat this ideology. For this a consistent struggle is necessary. Every village district and State must have its own peace committees. People must come forward and the Government must encourage them to fight those disruptive elements. Now, there is awareness among artists, journalists, intellectuals and others. Everyone in this country is coming forward. This opportunity should be taken by the Government to see that these communal forces are not allowed to raise their heads. They are the danger for this country. That is why I request

[Dr. G. Vijaya Mohan Reddy]

the hon. Home Minister and the Ministry to think that the country's future is at stake and they will have to act, act quickly like Shri Vallabhbhai Patel who banned the RSS. Will this Government have those guts? Yes, we have to take action against those communalists with firmness. I appeal to the Home Minister to take action on all these matters.

About the Mandir and Masjid issue, there must be understanding between the Hindus and the Muslims. If there is no agreement, the High Court decision must be final. We are a country governed by law and the

Constitution. Nobody can go against either the law or the Constitution of the country. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) Hon. Members, the discussion on communal situation is over and the Prime Minister will reply to it tomorrow after the Question Hour. Now the House stands adjourned till 11 00 a.m. tomorrow.

The House then adjourned at thirteen minutes past seven of the clock till eleven of the clock on Friday, the 4th January, 1991.